पाठ–10

कैसे-कैसे घर

BP3EE9

सुबोध आज बहुत खुश है। राँची में आयोजित 'बाल समागम' में उसने लंबी कूद में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। विद्यालय पहुँचने पर सभी ने उसे बधाई दी। कक्षा में शिक्षिका ने पूछा – सुबोध! बाल समागम में जाकर तुम्हें कैसा लगा?

सुबोध– मैडम, वहाँ बहुत अच्छा लगा। हमारे राज्य के सभी जिलों के बच्चे पहुँचे थे। राँची शहर बहुत बड़ा है।

मैडम – सुबोध! हमारे गाँव में और राँची में तुम्हें क्या अंतर दिखा?

सुबोध – मैडम, मैं जहाँ रुका था, वह एक बहुत बड़ा स्टेडियम था। उसके चारो तरफ बहुमंजिली इमारतें थीं। सड़कें बहुत चौड़ी थीं। बिजली की चकाचौंध थी। बहुत भीड़ थी। परन्तु, कहीं–कहीं झोपडीनुमा घर भी दिख रहे थे। मै तो समझता था कि शहरो में रहने वाले लोग काफी अमीर होते हैं?

मैडम– आज कल गाँवों में काम की कमी के कारण बहुत सारे लोग शहरो में जा रहे हैं। वहाँ उनके लिए घर की कमी है।

सुबोध– हाँ, तो मजबूरी में उन्हें ऐसे घरो मे रहना पड़ता है!

मैडम– हाँ, सुबोध तुमने बिल्कुल सही कहा। अच्छा, अब बताओ बहुमंजिली इमारतें तुम्हारे घर से किस प्रकार अलग दिखती हैं?

सुबोध – उनमें बहुत सारी मंजिलें होती हैं। ये ईंट और सीमेंट की बनी होती हैं। खिड़कियों में काँच लगे हुए थे। उन पर ग्रिल भी लगे थे। छत पर पानी की टंकियाँ भी दिख रही थीं।

मैडम – बिलकुल ठीक! बच्चो, जानते हो, बड़े शहरों में आवास के लिए भूमि की बहुत कमी है। इसलिए बहुमंजिली इमारतें बनाई जाने लगी हैं। हमारे गाँव में घर के लिए ज़मीन की कमी नही है। प्रत्येक परिवार का अपना घर होता है। इसलिए गाँवों में ऐसी इमारतें नहीं बनाई जाती हैं।

सुधा – जी मैडम! हम लोग तो कच्ची ईंटों और मिट्टी से भी मकान बना लेते हैं। हमारे घरों की छत खपड़े की या घास–फूस की बनी होती है। इनमें खर्च भी अधिक नहीं लगता है। खिड़की–दरवाजों के लिए लकड़ियाँ गाँव में ही मिल जाती हैं। परंतु, अब गाँवों मे भी पक्के ईट और सिमेंट / कंक्रीट के घर बनने लगे हैं।

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

हसन – मैडम! हमारे मिट्टी के घर ठंडे भी होते हैं। उनमें आँगन भी होता है।

मैडम – हाँ, ऐसे मकानों की दीवारें बहुत मोटी बनाई जाती है। यह दीवारें घर में रहने वालों को गर्मी और सर्दी से बचाती हैं।

मैडम – आओ, इन पोस्टरों को देखो। इनमे विभिन्न प्रकार के घर दिखाए गए हैं।

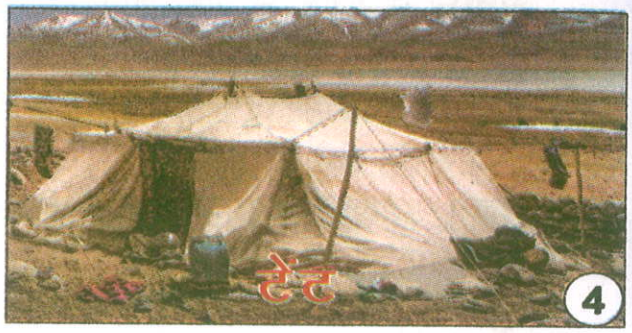

मैडम – देखो बच्चो! चित्र संख्या 3 में पहाड़ी इलाकों के एक मकान को दिखाया गया है। यह पत्थरों का बना एक मजबूत घर है। इनमें लकड़ियों के दरवाजे और खिड़कियाँ हैं, इनकी छत ढलवाँ होती हैं ताकि उनपर बर्फ या बारिश का पानी न ठहरे। छत को मजबूत बनाने के लिए पेड़ों के मोटे तनों का उपयोग होता है। ऊपर की मंजिल पर जाने के लिए लकड़ी की सीढ़ी होती है। मोटी–मोटी दीवारें हैं, लकड़ी के फर्श और लकड़ी की छत, ठंड से बचाते हैं।

*JCERT Text Book for free distribution : 2021-2

लिखो :–

- तुम्हारे घर की छत और पहाड़ी इलाकों के घरों की छत में क्या अन्तर होता है?
- पहाड़ी प्रदेश के घरों के निर्माण में उपयोग होने वाले वस्तुओं की सूची बनाओ?

हसन– मैडम! चित्र 4 में टेंट दिख रहा है ना! हमारे घर के पास जंगली जड़ी–बूटियाँ और औषधीय तेल बेचने वाले लोग ऐसे ही घर में रहते हैं।

मैडम– हाँ! हसन यह टेंट ही है, जिसमें वे लोग रहते हैं, जिनका स्थायी आवास नहीं होता। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं। इन्हें 'घुमक्कड़' या 'खानाबदोश' या 'बंजारे' कहते हैं।

सुधा– मैडम चित्र संख्या 5 में तो पानी में घर दिख रहा है!

मैडम– बिल्कुल ठीक! यह कश्मीर के एक हाउसबोट का चित्र है, जो पानी में तैरते रहता है। यह 80 फीट लम्बा और 8–9 फीट तक चौड़े हो सकते हैं। इनके अन्दर छत पर बड़ी सुन्दर नक्काशी की जाती है।

सुबोध– मैडम यह आखिरी वाले चित्र में सफेद सी गुफा क्यों दिख रही है, इसमें कौन रहता है?

मैडम– यह 'इग्लू' है। पृथ्वी पर कुछ ऐसे स्थान भी हैं, जहाँ पूरे वर्ष बर्फ जमी रहती है। यहाँ बहुत कम आबादी होती है और यहाँ रहने वाले लोग बर्फ से ही घर बना लेते हैं। इसमें एक ही दरवाजा होता है और आमतौर पर खिड़कियाँ नहीं होती। तापमान बहुत कम होने के कारण बर्फ पिघलती नहीं है।

क्रियाकलाप :–

रंग–बिरंगे टेंट

- विभिन्न अवसरों पर टेंट के उपयोग पर चर्चा करें ।
- आपने कहाँ– कहाँ पर टेंट लगे देखे हैं।
- टेंट के क्या लाभ हैं ? लिखो।

"NCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

बताओ :–

- एक बर्फीले प्रदेश का नाम बताओ।
- 'इग्लू' पिघलता क्यों नहीं है?
- बाढ़ से बचने के लिए तुम कैसा घर बनाना चाहोगे ?
- शहरों मे बहुमंजिलें मकान क्यों बन रहे हैं?

हमने सीखा :–

- किसी जगह पर आसानी से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग मकान बनाने मे किया जाता है।
- कुछ सामग्रियाँ हमें प्रकृति से मिलती हैं, जैसे – पेड़, चट्टानें, मिट्टी, खनिज आदि। कुछ घर प्रकृति से प्राप्त इन वस्तुओं से बनाया जाता है। वहीं कुछ घरों के बनाने मे फैक्ट्री मे बने सामान, जैसे– सिमेंट, रंग, काँच आदि का उपयोग भी होता है।
- मकान का स्वरूप उस क्षेत्र के मौसम के अनुरूप होता है।

*JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022